Page No.

Roll No.

Date

23/25

नाम कुमारी लक्ष्मी पुड़ो

कक्षा - बी.ए. प्रथम

विषय - पर्यावरण

Lakshmi

Scanned with CamScanner

जनसंख्या विस्फोट

(1) प्रस्तावना
(2) जनसंख्या के बारे में कुछ तथ्य
(3) जनसंख्या विस्फोट क्या है
(4) जनसंख्या विस्फोट को कैसे नियन्त्रित किया जाए
(5) जनसंख्या विस्फोट - एक समस्या
(6) जनसंख्या विस्फोट के पीछे कारण
(7) जनसंख्या विस्फोट की कमियां
(8) निष्कर्ष

23/25

(1) प्रस्तावना :

जब हमारे परिवार मे एक बच्चा पैदा होता है, तो हम बहुत खुशी महसूस करते है और हम इस अवसर को मनाते है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि एक ही समय में पूरी दुनिया में कितने बच्चे पैदा होते है) शोध में यह पाया गया है कि प्रति मिनट 250 से अधिक बच्चे पैदा होते है। और हर साल औसतन 120 मिलियन बच्चे पैदा होते है। संभवतः यह आपके लिए एक हो सकता मगर वे जनसंख्या के मामले में कई हो जाते है।

Topic Page No. Date

(2) जनसंख्या के बारे मे कुछ तथ्य :-

★ साल 2018 की जनगणना के अनुसार, भारत की जनसंख्या 135.26 करोड़ थी।

★ भारत में पूरी आबादी में 48.04 प्रतिशत महिलाएं और 51.96 प्रतिशत पुरुष हैं।

★ केरल वह राज्य है, जहाँ देश में महिलाओं का अनुपात सबसे अधिक है।

★ भारत में दुनिया की आबादी का 17.7 प्रतिशत हिस्सा है और दुनिया की 2.4 प्रतिशत भूमि है जो 135.79 मिलियन वर्ग किमी है।

★ भारत दुनिय में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है और चीन पहले स्थान पर है

★ भारत मे उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ब्राजील की जनसंख्या के बराबर है।

★ जनसंख्या के बारे मे ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2036 तक इसके 1.52 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। जो वर्तमान जनसंख्या का 30 प्रतिशत से अधिक है।

Scanned with CamScanner

Topic Page No. Date

3 जनसंख्या विस्फोट क्या है :-

जनसंख्या मे भारी वृद्धि को जनसंख्या विस्फोट कहा जाता है। जनसंख्या खराब नहीं है लेकिन जब यह अनियंत्रित तरीके से बढ़ती है तो यह अच्छी बात नहीं है। हर दिन हजारों बच्चे जन्म लेते हैं और मृत्य दर मे विकास के कारण जनसंख्या में भारी वृद्धि हो रही है। हालाँकि, यह एक अच्छी बात है अर्थ मायनों में, इसने हमारी आबादी को प्रभावित किया है। चीन और भारत ऐसे पहले दो देश है जिनकी जनसंख्या सबसे अधिक है और यह दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है।

जब संसाधन कम और लोग अधिक होते है और वे आवश्यक चीजें प्राप्त करने मे ~~सम~~ सक्षम नहीं होते है, तो यह एक चेतावनी है, यह सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ विकास को भी प्रभावित करता है। जब

Topic Page No. Date

अपराध में वृद्धि :-

हम कह सकते हैं कि गरीबी और बेरोजगारी सीधे अपराध के समानुपाती हैं। यह साफ है कि जब लोगों के पास पैसा नहीं होगा और इसे कमाने का कोई स्रोत भी नहीं होगा, तो निश्चित रूप से वे कुछ नकारात्मक कार्यों की ओर रुख करेंगे। और आजकल आप आयेदिन अखबारों और टीवी में डकैती या लूट की खबरें रोज पढ़ और देख सकते हैं। अपराध की दर दिन - प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

Topic Page No. Date

(8) निष्कर्ष :-

हम सभी को इन तथ्यों के बारे में जानना चाहिए और उसके बाद ही हम इसके बारे में सोच पाएंगे। ऐसे कई लोग हैं जो इसके बारे में सोचते भी नहीं हैं, फिर भी हमें दूसरों को शिक्षित करने की पूरी कोशिश करनी चाहिए। जब हम तुलना करना शुरू करते हैं तो हम बदल जाते हैं अन्यथा हमें लगता है कि हम सर्वश्रेष्ठ हैं। यह सिर्फ सरकार नहीं है जो सभी बदलाव ला सकती है बल्कि यह हमारे ऊपर भी है और हमारे रिश्तेदारों और पड़ोसियों को भी सिखाती है। अपने दैनिक जीवन में हम कई लोगों से मिलते हैं जैसे हमारे घर के सफाईकर्मी से, खाना बनाने वाले से, आदि। हम इस जानकारी को उनके साथ भी साझा कर सकते और इस तरह से, हम राष्ट्र के विकास में अपना दे सकते हैं।

Scanned with CamScanner

Date Topic Page

नाम जयन्ती कोमरे

कक्षा - B.A. I

विषय - पर्यावरण

22/25

Dilip

अजय माला

Scanned with CamScanner

Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐ Topic _____ Page ☐☐☐

पर्यावरण प्रदूषण

प्रस्तावना — पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है पारिस्थितिकी तंत्र का परेशान करना इस समस्या के प्रति लोगों का जागरूक होने की जरूरत है। वे वर्तमान का आनंद ले रहे हैं लेकिन भविष्य के परिणामों से अनजान है। पर्यावरण को प्रदूषित करने से पृथ्वी का संतुलन बिगड़ेगी। इसलिए हमें इस समस्या को और गंभीरता से लेने की जरूरत है।

पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ ⇒ प्रदूषण या Pollution शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के Pollure शब्द से हुई। इसका शाब्दिक अर्थ होता है मिट्टी में मिला देना। व्यापक अर्थों में इसे विनाश अथवा विध्वंस अथवा नाश होने से जोड़ा गया है। वे पदार्थ जिसकी उपस्थिति से कोई पदार्थ प्रदूषित हो जाता है प्रदूषक कहलाता है। पर्यावरण प्रदूषण को संभवतः आज के समय का सबसे बड़ा अभिशाप कहा जा सकता है। बढ़ते हुए औद्योगिकरण जनसंख्या वृद्धि व वनों के कटने के कारण पर्यावरण

Date Topic Page

में अवांछनीय परिवर्तन हो रहा है जिसका दुष्प्रभाव सभी जीव जंतुओं पर पड़ रहा है इसे ही प्रदूषण कहते हैं इसका अध्ययन आज के सन्दर्भ में अति आवश्यक है।

पर्यावरण प्रदूषण के कारण ⇒ पर्यावरण प्रदूषण के कुछ प्रमुख कारण नीचे दिये गए हैं

औद्योगीकरण : बड़े उद्योग हवा में जहरीली गैसें छोड़ते है। साथ ही हानिकारक रसायनों का सीधे जल निकायों में छोड़ दिया जाता है। वे अधिकांश पर्यावरण प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।

आधुनिकीकरण : हम आधुनिक संस्कृति को बहुत गर्व से स्वीकार कर रहे हैं लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कोई कम दूरी के लिए भी साइकिल का उपयोग नहीं करना चाहता। प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहा है।

रसायनों का प्रयोग : रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक मिट्टी की उर्वरता को नुकसान पहुँचाते है। जीवाश्म ईंधन

Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐ Topic _____ Page ☐☐☐

(Fossil fuel) के जलने से जहरीली गैस निकलती है जो बाद में अम्लीय वर्षा और ग्लोबल वार्मिंग में बदल सकती है।

प्राकृतिक कारण : कभी-कभी प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलन, बाढ़, ज्वालामुखी आदि को प्रदूषण पैदा करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ये मिट्टी के कटाव जल प्रदूषण वायु प्रदूषण आदि के लिए जिम्मेदार हैं।

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार ⇒ प्रदूषण कई प्रकार के हो सकते है जैसे - वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि।

वायु प्रदूषण ⇒ वायु प्रदूषण सबसे अधिक व्यापक और हानिकारक है। वायु मण्डल में सभी तरह के गैसों की मात्रा निश्चित रहती है और अधिकांशत ऑक्सीजन और नाइट्रोजन होती है। श्वसन अपघटन और सक्रिय ज्वालामुखियों से उत्पन्न गैसों के अतिरिक्त हानिकारक गैसों की सर्वाधिक मात्रा मनुष्य के कार्य-कलाप से उत्पन्न होती है इनमें लकड़ी कोयले, खनिज तेल तथा कार्बनिक पदार्थों के ज्वलन का सर्वाधिक योगदान है।

Scanned with CamScanner

Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐ Topic _____ Page ☐☐☐

जल प्रदूषण ⇒ जल सभी प्राणियों के लिए अनिवार्य वस्तु है। पेड़-पौधे भी आवश्यक तत्व जल से ही घुली अवस्था में ग्रहण करते है। जल में अनेक कार्बनिक अकार्बनिक पदार्थ, खनिज तत्व गैंसे घुली होती है। यदि इन तत्वों की मात्रा आवश्यकता से अधिक हो जाती है तो जल हानिकारक हो जाता है और इस जल को हम प्रदूषित जल कहते है। पीने योग्य जल का प्रदूषण रोग उत्पन्न करने वाले जीवाणु-विषाणु कल-कारखानों से निकले हुए वर्जित पदार्थ कीटनाशक पदार्थ व रासायनिक खाद से हो सकता है। ऐसे जल के उपयोग से पीलिया के रोग व अन्य संक्रामक रोग हो जाते है। महानगरों में भारी मात्रा में गन्दे पदार्थ नदियों के पानी प्रदूषित होकर हानिकारक बनता जा रहा है।

ध्वनि प्रदूषण ⇒ महानगरों में अनेक प्रकार के वाहन लाउडस्पीकर बाजे एवं औद्योगिक संस्थानों की मशीनों के शोर ने ध्वनि प्रदूषण को जन्म दिया है। ध्वनि प्रदूषण से न केवल मनुष्य श्रवण शक्ति को जन्म दिया है। ध्वनि वरन उसके मस्तिष्क पर भी इसका घातक प्रभाव पड़ता है। परमाणु

Scanned with CamScanner

Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐ Topic _____ Page ☐☐☐

लोगों को पॉलीथिन से उत्पन्न खतरों से अवगत कराएँ।

5. कूड़ा-कचरा निस्तारण ⇒ कूड़ा-कचरा एक जगह पर एकत्र करना सब्जी, छिलके अवशेष, सड़ी-गली चीजों को एक जगह एकत्र करके वानस्पतिक खाद तैयार करना।

6. कागज की कम खपत करना ⇒ रद्दी कागज को एक रफ कार्य करने, लिफाफे बनाने, पुनः कागज तैयार करने के काम में प्रयोग करना।

निष्कर्ष ⇒ पहले का जीवन आज की तुलना में बहुत बेहतर था। पहले लोगों के पास उन्नत तकनीक नहीं थी लेकिन उनके पास सांस लेने के लिए शुद्ध हवा और पीने के लिए पानी था इससे उन्हें लम्बे समय तक स्वस्थ रहने में मदद मिलती थी। लेकिन आज एक छोटा बच्चा भी बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के कारण कई बिमारियों की चपेट में है। अगर सही कदम नहीं उठाए गए तो वह समय दूर नहीं जब हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और हमारा जीवन थम जाएगा।

Scanned with CamScanner

रासायनिक खादो से हानि :-

उर्वरको के समुचित प्रयोग से पैदावार मे वृद्धोतरी तो होती है किन्तु इनके अत्यधिक प्रयोग से ये रसायन सिचाई एंव वर्षा के जल द्वारा बहकर नदियो एंव तलाबो के जल मे मिलकर उन्हे प्रदुषित करते है और पारिस्थितिक सतुलन की बिगाड़ते है।

सिंचाई :-

फसलो के लिए निश्चित अंतराल के बाद जल आपुर्ति के लिए आवश्यकता होती है पौधो को कृतिम रूप से पानी की आपूर्ति करने की विधि की सिंचाई कहते है।

सिचाई से प्राप्त जल द्वारा पौधे खनिज लवणो का अवशोषण प्रकाश संश्लेषण तथा अन्य जैविक क्रियाएँ संपन्न करते है खेतो की सिंचाई की मात्रा मिट्टी के प्रकार तथा उगाई गई फसलो के लिए पानी की आवश्यकता पर निर्भर होती है खरीफ की फसलो को पानी की अधिक आवश्यकता होती है आपने देखा होगा की धान की खेतो मे रोपाई के पश्चात फसल के पकने तक लगभग पूरे समय पानी भरा रहता है जबकि रबी फसलो को पानी की लगातार एंव ज्यादा मात्रा मे आवश्यकता नही होती।

Scanned with CamScanner

Date Topic Page 19

25/25

कुंजल कुम्हार शासकीय महा. बेलकोन्दल

नाम — कौशल गोटा

कक्षा — बी. कॉम — 1

विषय — पर्यावरण

प्र० (1) मरुस्थलीकरण का अर्थ एवं

उत्तर :-

(1) मरुस्थलीकरण का अर्थ
(2) मरुस्थलीकरण को रोकने के लिये वैश्विक प्रयास
(3) भारत का मरुस्थलीकरण और भूमि उत्पन्न एटलस
(4) सामाजिक प्रभाव
(5) राजनैतिक प्रभाव मरुस्थलीकरण प्रक्रिया के समक्ष बड़ी चुनौती
(6) भारत में मरुस्थलीकरण की स्थिति
(7) भारत द्वारा मरुस्थलीकरण पर अंकुश लगाने के उपाय
(8) आर्थिक प्रभाव
(9) ~~इस~~ भारत में मरुस्थलीकरण को रोकने के ~~अन्य~~ उपाय

(1) मरुस्थलीकरण का अर्थ :- मरुस्थलीकरण का अर्थ पर्यावरण के क्षरण की एक प्रक्रिया है जो आमतौर पर जलवायु और मानव गतिविधि का उत्पाद है और इसमें अब तक उपजाऊ क्षेत्र रेगिस्तान जैसी स्थितियों का प्रसार या विस्तार शामिल है।

शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अधिकांश वनस्पतियों को मानव निर्मित मरुस्थलीकरण का खतरा है, जो अत्यधिक, अंधाधुंध और कुशल भूमि उपयोग प्रथाओं के परिणामस्वरूप है।

अजय माला

Scanned with CamScanner

चराई शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण का सबसे गंभीर कारण है, और इसी तरह आर्द्र वन कटिबंध और पूर्वोत्तर है। हिमालय में भी स्थानान्तरिक खेती महत्वपूर्ण है। जनसंख्या के बढ़ते दबाव ने उपरोक्त कारणों के प्रतिकूल प्रभावों को बहुत बढ़ा दिया है।

1970 और 1980 के दशक के दौरान मरुस्थलीकरण काफी चिन्ता का विषय हुआ करता था, लेकिन अब रेगिस्तान के सिद्धान्त को आगे बढ़ने और आसन्न सवाना परिदृश्य (वॉरेन और एग्न्यू

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के कुछ आशाजनक तरीकों में शामिल हैं:

(1) अन्य कम विनाशकारी जानवरों द्वारा बकरियों का आंशिक प्रतिस्थापन जैसे, भेड़

(2) खुले स्थान क्षेत्र में पशुओं की संख्या में कमी;

(3) उपयुक्त चुनी प्रजाति, अर्थात ईंधन की लकड़ी, लकड़ी, आदि के लिए वृक्षारोपण, और

(4) वनों में नियंत्रित चराई की शुरुआत।

तीसरे दृष्टिकोण में वन प्रबंधन लक्ष्य के रूप में चारा उत्पादन शामिल है। अर्थात वानिकी के लिए आवंटित क्षेत्रों पर चारा प्रजातियाँ उगाई जाती हैं। आश्रम पेटियां छायादार वृक्ष और जो कटाव रोको सकते हैं, लाभकारी रूप से लगाए जा सकते हैं। जंगल में घास, फल और कुड़े के तरीके।

बकरीयां पेड़ों और झाड़ियों के लिए विशेष रूप से विनाशकारी होती हैं क्योंकि वे युवा अंकुर टहनियां, फल और छाल सहित वन पौधों के लगभग सभी भागों को खाती हैं। घने वनों वाले नम जंगलों में बकरी चराने से गंभीर नुकसान नहीं होता है। लेकिन शुष्क क्षेत्रों में जहां वनस्पति पहले से ही विरल है, बकरियां एक गंभीर खतरा बन जाती हैं। ऐसी स्थिति में बकरी जंगलों की क्रूर दुश्मन बन जाती है।

वानिकी और बकरी पालन के बीच परस्पर विरोधी हितों को समेटने का एक समाधान वानिकी और देहाती भूमि उपयोग प्रथाओं का स्पष्ट भूमि अलगाव है। यह बाड़ लगाकर किया जा सकता है।

अजय माला

Scanned with CamScanner

② मरुस्थलीकरण को रोकने के लिये वैश्विक प्रयास :-

① मरुस्थलीकरण
② मरुस्थलीकरण - विकिपीडिया
③ मरुस्थलीकरण और सूखा: दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती
④ मरुस्थलीकरण के कारण
① मरुस्थलीकरण :-

एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण एवं विकास

② मरुस्थलीकरण - विकिपीडिया :-

मरुस्थलीकरण के प्रभाव

पर्यावरणीय प्रभाव

- वनस्पति का विनाश
- जमीन का बंजर होना
- मिट्टी का क्षरण
- प्राकृतिक का आपदाओं में वृद्धि
- जल प्रदूषण
- भूमि निम्नीकरण
- जैव विविधता को नुकसान और प्रजातियों का विलुप्त होना।

आर्थिक प्रभाव :-

- प्राकृतिक जोखिम की घटनाओं में वृद्धि होती है।

जैसे :-

1. बाढ़
2. भूस्खलन
3. कृषि उत्पादकता को खतरा है।
4. पुनरावर्ती प्रभाव गरीबी को बढ़ाते है।

P.T.O

अधिक चराई :-

- यह भूमि की उपयोगिता उत्पादकता और जैव-विविधता को कम करता है।
- 2005 और 2015 के बीच भारत ने 31% घास के मैदान खो दिये।

वनों की कटाई :-

वन कार्बन सिंक के रूप कार्य करते हैं। वनों की कटाई से ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव में बढ़ोत्तरी होती है।

Scanned with CamScanner

Date Topic Page

21/25

नाम कुमारी अरिन्दा आचला

कक्षा - बी० एस० सी० प्रथम वर्ष

विषय - पर्यावरण

Sdlep

अजय माला

Scanned with CamScanner

Date Topic Page

जल प्रदुषण

22/25

प्रस्तावना :-

जल पर्यावरण का एक अभिन्न अंग हैं। जल के बिना हम जीवन की कल्पना तक नही कर सकते इसीलिए कहा जाता हैं कि जल ही जीवन हैं। परन्तु आज औद्योगिकीकरण के युग में धरती पर जल प्रदुषण एक लगातार बढ़ती समस्या बनता जा रहा हैं। जो मानवों के साथ-साथ जीव-जन्तुओं को भी प्रभावित कर रहा हैं।

जल प्रदुषण का अर्थ :-

मानव गतिविधियों के द्वारा उत्पन्न जहरीले प्रदुषकों से पीने के पानी का गन्दा होना ही जल प्रदुषण हैं। दुसरे शब्दों में जल के भौतिक एवं रासायनिक स्वरूप में परिवर्तन करना ही जल प्रदुषण कहलाता हैं। नदी झीलें, तलाबों, भु, गर्भ और समुद्र के पानी में ऐसे पदार्थ मिल जाते हैं जिससे पानी जीव-जन्तुओं और प्राणियों के प्रयोग करने के लिए योग्य नही रहता। इसी वजह से हर एक जीवन जो पानी पर आधारित होता हैं वह बहुत अधिक प्रभाजित होता हैं।

अजय माला

Scanned with CamScanner

Date Topic Page

जल प्रदूषण के कारण :-

जल प्रदूषण का सबसे प्रमुख कारण उद्योग धंधों कल - कारखानों के जहरीली रसायनिक कचरे को अक्सर नदियों और तलाबो में छोड़ दिया जाता है। एक आंकलन के अनुसार गंगा नदी जो देश की सबसे पवित्र नदी मानी जाती है उसमें रोज लगभग 1,400 मिलियन लीटर सीवेज और 200 मिलियन लीटर औद्योगिक कचरा लगातार छोड़ा जा रहा है जो कि बहुत ही निंदनीय है। इसके अलावा घरेलु कचरे का नदियों और तलाबों में फेंका जाना खेतों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग दुर्घटना हो जाते पर समुद्री जहाजो के ईंधन का समुद्र में फैल जाना, जल में परमाणु परीक्षणों का किया जाना जल प्रदूषण का मुख्य कारणो में आते हैं मरे जीवों के जीवाश्मों और मृदा अपरदन से भी जल दुषित होता है।

जल प्रदूषण के प्रभाव :-

आधुनिक युग में जल प्रदूषण एक बहुत ही गंभीर समस्या बन चुका है। दुषित जल पीना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। दुषित जल का सेवन करने से मनुष्य को हैजा पेचिस, क्षय और अन्दर से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दुषित जल पीने से

Scanned with CamScanner

Date Topic Page

खाद्य नाइट्रेट तथा यूरिया आदि मुख्यता उपयोग में लाई जा रही है और कीटाणु नाशकों में अनेक दवाइयों का उपयोग किया जा रहा है।

वर्षा जल के साथ यह पदार्थ मिट्टी में घुल कर सुद्धि जल स्त्रोतों को प्रदुषित ही नही वरन जहरीली बनाती हैं। यही जल जब बह कर नदियों में मिलता है तो भूमिगत जल को प्रदुषित कर देता है।

खनन कार्यो के द्वारा :-

खनिज प्राप्त करने के लिए जमीन में विभिन्न गहराइयों तक खुदाई होने पर मिट्टी एवं अन्य अशुद्धियों के साथ खनिज प्राप्त होता है शुद्ध खनिज प्राप्त करने के लिए धुलाई की क्रिया करनी होती है जिससे धुल मिट्टी एवं अन्य घुलनशील तथा अम्ल से लवण पानी के साथ बहकर निस्तारित नालियों में मिल जाते हैं। जिससे नालियों का जल पूर्ण रूप से प्रदुषित होता है।

जल प्रदुषक — जन स्वास्थ्य पर प्रभाव

कीटाणु एवं कीटनाशक — मस्तिष्क पर कुप्रभाव,
जैसे — जिगर

अजय माला

Date Topic Page

डीडीटी, (लीवर) का कैंसर

पीसीबी

आदि।

निष्कर्ष : जल प्रदूषण ने आज देशभर में विकराल रूप ले लिया है। अगर हम भविष्य में पानी के स्त्रोतो को सुरक्षित रखना चाहते हैं। और पीने के लिए स्वच्छ पानी चाहिए तो हमें इसी समय से इस समस्या को दूर करने लिए कदम उठाने होंगे। अगर हम इस मामले में देरी करेंगे तो यह और अधिक घातक सिद्ध होगा।

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No.

Page No.

P

22/25

नाम - कुमारी ललिता कुरुरी

कक्षा - B.Sc-I

विषय = पर्यावरण सूचना प्रौद्योगिकी की
पर्यावरण में मानव स्वास्थ्य में भूमिका

Study

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No.   Page No.

प्रस्तावना

सूचनाओं के आदान-प्रदान का मनुष्य-जीवन में बड़ा महत्व है इसलिए सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए दिन प्रतिदिन नई-नई तकनीको का विकास हो रहा है। मोबाइल और इन्टरनेट इसके दो महत्वपूर्ण उपकरण है सूचनाओं के आदान-प्रदान की यही तकनीक

सूचना प्रौद्योगिकी के नाम से जानी जाती है।

सूचना

प्रौद्योगिकी ने ज्ञान और विकास के द्वारों को एक साथ खोल दिया है। हमारे आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व्यावसायिक तथा अन्य सभी क्षेत्रों पर सूचना-प्रौद्योगिकी के कारण हुए विकास को स्पष्ट रूप लक्षित होती है। सूचना-प्रौद्योगिकी ने हमें विकास की एक नई दुनिया की ओर अग्रसर किया है। वर्तमान में कम्प्यूटर, इन्टरनेट टेलीफोन, मोबाइल फोन, फैक्स ई-मेल, ई-कॉमर्स, स्मार्ट कार्ड, क्रेडिट कार्ड तथा एटीएम कार्ड आदि सूचना-प्रौद्योगिकी के सशक्त माध्यम है।

सूचना प्रौद्योगिकी का मानव जीवन मे महत्व ⇒

देश के विकास की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में आज सूचना

Teacher' Sign.....................

Date _____

Expt. No. _____ Page No. _____

प्रौद्योगिकी का विशेष महत्व है। सूचना - प्रौद्योगिकी के कारण आज समस्त विश्व की दूरियाँ सिमट गई है। अब पलक झपकते ही सूचनाओं और सन्देशों का आदान-प्रदान हो जाता है जिससे शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन तथा उद्योग आदि सभी के महत्व को निम्नलिखित बिन्दुओं के रूप में जाना जा सकता है:-

सूचना ⇒ प्रौद्योगिकी पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए जरूरी और प्रयुक्त तकनीक है।

सूचना ⇒ प्रौद्योगिकी की सहायता से प्राप्त सूचनाओं से समाज का सशक्तिकरण होता है। सूचना - प्रौद्योगिकी द्वारा प्रशासन और सरकार के कार्यों में पारदर्शिता आती है। यह भ्रष्टाचार नियन्त्रण में अत्यन्त प्रभावी है।

सूचना - प्रौद्योगिकी के माध्यम से गरीब जनता को सूचना सम्पन्न बनाकर ही गरीबी का उन्मूलन किया जा सकता है। सूचने तथा निर्णय लेने में होता है।

सूचना - प्रौद्योगिकी नवीन रोजगारों का सृजन करती है। आज सूचना - प्रौद्योगिकी वाणिज्य और व्यापार का जरूरी अंग है।

इस सूचना - प्रौद्योगिकी मानव-जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन गई है।

सूचना - प्रौद्योगिकी के लाभ - सूचना - प्रौद्योगिक का लक्ष्य समाज को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाने का रहा है

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No. Page No.

इसके माध्यम से हमें निम्नलिखित सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

कम्प्यूटर और मोबाइल द्वारा रेलवे टिकट एवं आरक्षण
बैंकों का कम्प्यूटरीकरण एवं एटीएम की सुविधा
ई-बैंकिंग एवं मोबाइल बैंकिंग से आर्थिक लेन-देन
और सूचनाओं के आदान-प्रदान की सुविधा
ऑनलाइन क्रय-विक्रय (सेल्स-पर्चेजिंग) की सुविधा।
इण्टरनेट द्वारा रेल टिकट एवं हवाई टिकट का आरक्षण
इण्टरनेट द्वारा एफ०आई०आर० दर्ज करना
न्यायालयों के निर्णय भी ऑनलाइन उपलब्ध होना।
किसानों के भूमि रिकॉर्ड का कम्प्यूटरीकरण
ऑनलाइन रिजल्ट की सुविधा
राशनकार्ड, आधारकार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग
लाइसेंस आदि के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की
सुविधा
शिकायतें भी ऑनलाइन की जा सकती हैं।
सभी विभागों की पर्याप्त जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध
है। आयकर की फाइलिंग भी ऑनलाइन की जा
सकती है।
इस प्रकार सूचना-प्रौद्योगिकी से मानव के धन, श्रम और
समय की पर्याप्त बचत हो रही है तथा मानव विकास
और समृद्धि की दिशा में तीव्रगति से आगे बढ़ रहा है

सूचना-प्रौद्योगिकी के साधन: सूचना-प्रौद्योगिकी को व्यापक
बनाने में कम्प्यूटर, इण्टरनेट, टेलीफोन, मोबाइल फोन

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No. Page No.

मोबाइल फोन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है इन संसाधनों के माध्यम से ई-कॉमर्स ई-मेल, ऑनलाइन सरकारी काम-काज हेतु ई-प्रशासन, ई-गवर्नेंस, ई बैंकिंग, ई-एजुकेशन ई-मेडिसन, ई, शॉपिंग आदि से विकास की गति को बढ़ाया जा रहा है। कम्प्यूटर युग के इन संचार माध्यमों से हमने सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना एक स्थान बनाया है।

सूचना ⇒ प्रौद्योगिकी का प्रभाव-सूचना, प्रौद्योगिकी ने आज विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर एक नई अर्थव्यवस्था को जन्म दिया, जिससे, का प्रत्येक क्षेत्र प्रभावित हुआ है। सूचना-प्रौद्योगिकी का सबसे अधिक प्रभाव निम्नलिखित क्षेत्रों पर अधिक पड़ा है।

(1) शिक्षा के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में सूचना-प्रौद्योगिकी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता से विद्यार्थी अब ई-पुस्तकें, परीक्षा के लिए प्रतिदर्श प्रश्न पत्र पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र आदि देखने के साथ-साथ विषय-विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और अपने जैसे प्रतियोगियों से दुनिया के किसी भी कोने से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

आनलाइन पाठ्य-सामग्री से भी अध्ययन किया जा सकता है। आनलाइन

प्रवेश-प्रक्रिया द्वारा विद्यार्थियों को निरर्थक भाग-दौड़ से छुटकारा मिल गया है।

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No. Page No.

आज विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे:- बी०टेक, बी० आर्क, एम०बी०ए एम०बी०बी०एस० बी०एड० आदि की प्रवेश परीक्षाओं में सम्मिलित होना सरल हो गया है। सारी सूचनाएं ऑनलाइन होने से दूरस्थ शिक्षा में भी हो सकता है।

सूचना:

प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है

(ख) व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सूचना-प्रौद्योगिकी-
व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सूचना-प्रौद्योगिकी-
व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सूचना-प्रौद्योगिकी-
व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सूचना-प्रौद्योगिकी अत्यन्त प्रभावी सिद्ध हो रही है। वित्त रिकॉर्ड कीपिंग, लेन देन का विश्लेषण और उनके विवरण तैयार करने में सूचना-प्रौद्योगिकी पर्याप्त सहायक हुई है। ई कॉमर्स द्वारा उत्पाद की ऑनलाइन सूची और ऑनलाइन भुगतान प्रणाली काफी प्रभाव है। बड़े-बड़े संस्थानों में जहाँ अनेक व्यक्ति काम करते हैं। वहाँ उनके वेतन भत्तों, मासिक, देनदारियों के विवरण तैयार करने, कुर्यो निर्धारण और आयोजन को लागू करने में सूचना-प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है। इस प्रकार उत्पादन-प्रणालियों और भण्डारण-व्यवस्था के संचालन में सुविधा हो गई है।

Teacher' Sign....................

Date
Expt. No.
Page No.

(ख) व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र मे सूचना - प्रौद्योगिकी
- व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सूचना - प्रौद्योगिकी अत्यन्त प्रभावी सिद्ध हो रही है। वित्त रिकार्ड कीपिंग, लेन - देन का विश्लेषण और उनके विवरण तैयार करने में सूचना - प्रौद्योगिकी पर्याप्त सहायक हुई है। ई - कॉमर्स द्वारा उत्पाद को ऑनलाइन सूची और ऑनलाइन भुगतान प्रणाली काफी प्रभावी है।
बड़े - बड़े संस्थाओं में जहाँ अनेक व्यक्ति काम करते है। वहाँ, उनके वेतन, भत्तों, मासिक देनदारियों के विवरण तैयार करने, छुट्टी निर्धारण और आयोजना को लागू करने में सूचना - प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है।
इस प्रकार उत्पादन - प्रणालियों और भण्डारण - व्यवस्था के संचालन में सुविधा हो गई है। अब किसी कम्पनी का कोई भी अधिकारी सिर्फ एक बटन दबाकर पूरे माल का रिकार्ड देख सकता है। वह अपनी योजनाओं में भी सुधार कर सकता है। इस प्रकार पूरे व्यवसाय के ऑनलाइन होने से व्यापार करना सुगम हो गया है।

(ग) डिजिटल इण्डिया मिशन और सूचना - प्रौद्योगिकी
- सूचना - प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत अग्रणी राष्ट्र में से एक है। भारत सरकार द्वारा

Teacher' Sign

Date

Expt. No. Page No.

शासन और प्रशासन में नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए माई गवर्नमेंट जैसी वेबसाइटों का सृजन किया गया है, जिनको भारी जन समर्थन मिला है। डिजिटल इण्डिया में ब्रॉडबैण्ड हाई-वे और मोबाइल कनेक्टिविटी के माध्यम से ई-गवर्नेंस के अन्तर्गत सरकारी कार्यों और योजनाओं में सुधार, सभी के लिए सूचनाओं की उपलब्धता, नौकरियों में पारदर्शिता, तकनीकी शिक्षा के विकास द्वारा उत्पादन में वृद्धि आदि योजनाएँ सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत सभी मन्त्रालयों एवं सरकारी आफिस में जुड़े है। इस मिशन का उद्देश्य लोग की भागीदारी के माध्यम से गुणात्मक परिवर्तन लाना, भारत को तकनीकी दृष्टि से सबल बनाना तथा समाज और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है।

(ब) अन्य क्षेत्रों में सूचना-प्रौद्योगिकी- शिक्षा, व्यापार, उद्योग, नौकरी, कृषि, प्रशासन के अतिरिक्त सूचना-प्रौद्योगिकी जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता सिद्ध करने के साथ ही अपशिष्ट संग्रह और निष्पादन उद्योग में भी कारगर सिद्ध हुई है। अपशिष्ट-प्रबन्धन के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते विस्तार के पीछे सक्षम प्रौद्योगिकी समाधान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner

Date

Expt. No.

Page No.

उपसंहार- इस प्रकार कहा जा सकता है कि सूचना प्रौद्योगिकी के लोगों को अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक बनाकर एक प्रगतिशील समाज के निर्माण का निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। एक विश्व की संकल्पना को एक रचनात्मक बल मिला है निश्चय ही सूचना प्रौद्योगिकी एक दो सम्पूर्ण विश्व को समृद्ध बनाकर सर्वत्र सुख और शान्ति का साम्राज्य स्थापित करने में सफल होगी।

Teacher' Sign.....

Scanned with CamScanner